गगन गिल को 2024 का साहित्य अकादमी पुरस्कार

नई दिल्ली। साहित्य अकादमी ने हिंदी के लिए प्रतिष्ठित कवयित्री गगन गिल और अंग्रेजी में ईस्टरिन किरे समेत 21 भारतीय भाषाओं के रचनाकारों को वर्ष 2024 का प्रतिष्ठित साहित्य अकादमी पुरस्कार देने की घोषणा बुधवार को की। अकादमी के सचिव के. श्रीनिवास राव ने कहा कि गिल को उनके कविता संग्रह 'मैं जब तक आयी बाहर' के लिए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित जाएगा। (इंटरव्यू पेज 2)

कला में चालाकी नहीं चलती : गगन गिल

अमित कुमार

नई दिल्ली। **एसएनबी**

अपनी कविताओं से पाठकों के दिलों पर राज करने वाली कवयित्री गगन गिल को इस वर्ष का साहित्य अकादमी पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार उनके कविता संग्रह 'मैं जब तक आयी बाहर' के लिए मिलेगा। उनके नाम की घोषणा होने के बाद गगन गिल से बात की।

गगन गिल ने बताया कि बुधवार को पौने दो बजे दोहपर में जब उनके पास साहित्य अकादमी की ओर फोन आया कि उनके कविता संग्रह 'मैं जब तक आयी बाहर' के अकादमी पुरस्कार प्रदान किया जाएगा, तब से मेरा दिल अभी तक धक...धक... कर रहा है। (हमारे संवाददाता ने शाम पांच बजे बात की) मैंने सोचा नहीं था कि मुझे यह सम्मान मिलेगा। क्योंकि मैं या मुझे लगता है कि कोई भी लेखक सम्मान पाने को ध्यान में रखकर नहीं लिखता है। वह जिस भी विषय पर लिखता है उसे ही ध्यान में रखकर लिखता है। क्या यह पुरस्कार उन्हें पहले मिलना चाहिए। इस सवाल पर उन्होंने बहुत ही सहजता के साथ कहा कि ऐसा सोचने वाला वहीं होगा जिसके अंदर अहंकार होगा।

साक्षात्कार

- **पुरस्कार मिलने के बाद जिम्मेदारी बढ़ जाती है**
- **कोई भी लेखक किसी विषय को ध्यान में रखकर लिखता है न कि पुरस्कार पाने के लिए**

क्या पुरस्कार मिलने के साथ जिम्मेदारियां बढ़ जाती है के सवाल पर उन्होंने कहा कि निःसंदेह। ऐसा ही होता है। मैं तो अब कचरा नहीं छपवा सकती हूं। जब इतना बड़ा सम्मान मिलता है तो उससे लेखकीय जिम्मेदारियां महसूस होने लगती है। समाज में जो कुछ भी हो रहा है उसमें अपनी भूमिका महसूस होती है और एक बहुत ही बड़ी जिम्मेदारी समाज के प्रति, देश के प्रति आ जाती है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती जाती है वैसे-वैसे चीजे क्लीयर होती जाती है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि लेखन भी एक कला है और इस कला में चालाकी नहीं चलती है। जो बेहतर होगा उसे ही सम्मान मिलेगा। इसे आप जबरदस्ती नहीं पा सकते है।

उन्होंने कहा कि अब मुझे पहले से ज्यादा सतर्क और जागरूक रहना पड़ेगा। इस सम्मान ने मेरे ऊपर एक अदृश्य सी जिम्मेदारी दे दी है। वह इस समय भी लेखन कार्य में सक्रिय है, लेकिन उन्होंने यह बताने से इनकार किया कि क्या लिख रही है। ऐसा इसलिए कि इससे पहले जब उन्होंने अपने लेखन कार्य के बारे में बताया था तो दुर्भाग्य से वह किताब पाठकों के बीच नहीं आ पायी। तब से वह अपने लेखन कार्य के बारे में तब तक नहीं बताना चाहती है, जब तक वह छप के मार्केट में न आ जाए। वह लिख रही है और अगले साल उनकी कलम से निकली हुई कोई नई कविता पाठकों को पढ़ने को मिलेगा।